राजस्थान की नदी-जोड़ो परियोजना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान में प्रस्तावित **नदी-जोड़ो परियोजना,** जिसका उद्देश्य राज्य में बढ़ती जल कमी को दूर करना है, ने इसके संभावित पर्यावरणीय प्रभाव पर महत्त्वपूर्ण बहस छेड़ दी है।

इस **नहर परियोजना से** चंबल नदी **बेसिन के अधिशेष जल को राजस्थान के 23 ज़िलों में** सिंचाई**, पेयजल** और **औद्योगिक** उपयोग के लिये उपलब्ध कराए जाने की संभावना है, जिससे **3.45 करोड़** लोग लाभान्वित होंगे।

मुख्य बिंदु

- यह नदी जोड़ो परियोजना रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के लगभग **37 वर्ग किलोमीटर** के संभावित जलमग्न क्षेत्र पर आधारित है।
- **यह** जलमग्नता पार्वती-कालीसिंध-चंबल-पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना **(PKC-ERCP)** के तहत प्रस्तावित सबसे बड़े बाँध के कारण होगी, जो महत्वाकांक्षी नदियों को जोड़ने (ILR) कार्यक्रम का हिस्सा है।
  - राजस्थान में **PKC-ERCP परियोजना में कुल 408.86 वर्ग किलोमीटर** डूब क्षेत्र शामिल है। इसमें से **227 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चंबल की सहायक** नदी **बनास** पर प्रस्तावित बाँध के जलाशय के नीचे डूब जाएगा।
    - यह बाँध **39 मीटर ऊँचा** और **1.6 किमी. लंबा बनाया जाएगा, जो सवाई माधोपुर** से लगभग 30 किमी. दूर डूंगरी गाँव के पास स्थित होगा।
  - रणथंभौर **तीसरा बाघ अभयारण्य है,** जो आगामी जलाशयों के कारण भूमि के नुकसान का सामना कर रहा है।
    - परियोजना विवरण से पता चलता है कि **37.03 वर्ग किमी. क्षेत्र रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (392 वर्ग किमी.)** और केलादेवी वन्यजीव अभयारण्य **(674 वर्ग किमी.)** का है, जो दोनों **रणथंभौर बाघ अभयारण्य (1,113 वर्ग किमी.)** का हिस्सा हैं, जहाँ वर्तमान में **57** बाघ हैं।
- परियोजना की पर्यावरणीय लागत एक विवादास्पद मुद्दा बन गई है। संरक्षणवादियों ने चेतावनी दी है कि **रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के कुछ हिस्सों के जलमग्न होने से** भारत के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्यों में से एक की जैव विविधता को खतरा हो सकता है।
- **रणथंभौर, बाघों और अन्य प्रजातियों** की स्थिर आबादी का पर्यावास है, जो देश के संरक्षण प्रयासों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नोट:

- **भूमि हानि का सामना कर रही अन्य परियोजनाओं में शामिल हैं:**
  - उत्तर **कोयल जलाशय परियोजना से** झारखंड के पलामू बाघ अभयारण्य का 10.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलमग्न हो जाएगा, जबकि केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना **से मध्य प्रदेश** के पन्ना बाघ रिज़र्व का **41.41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र** जलमग्न हो जाएगा।

//

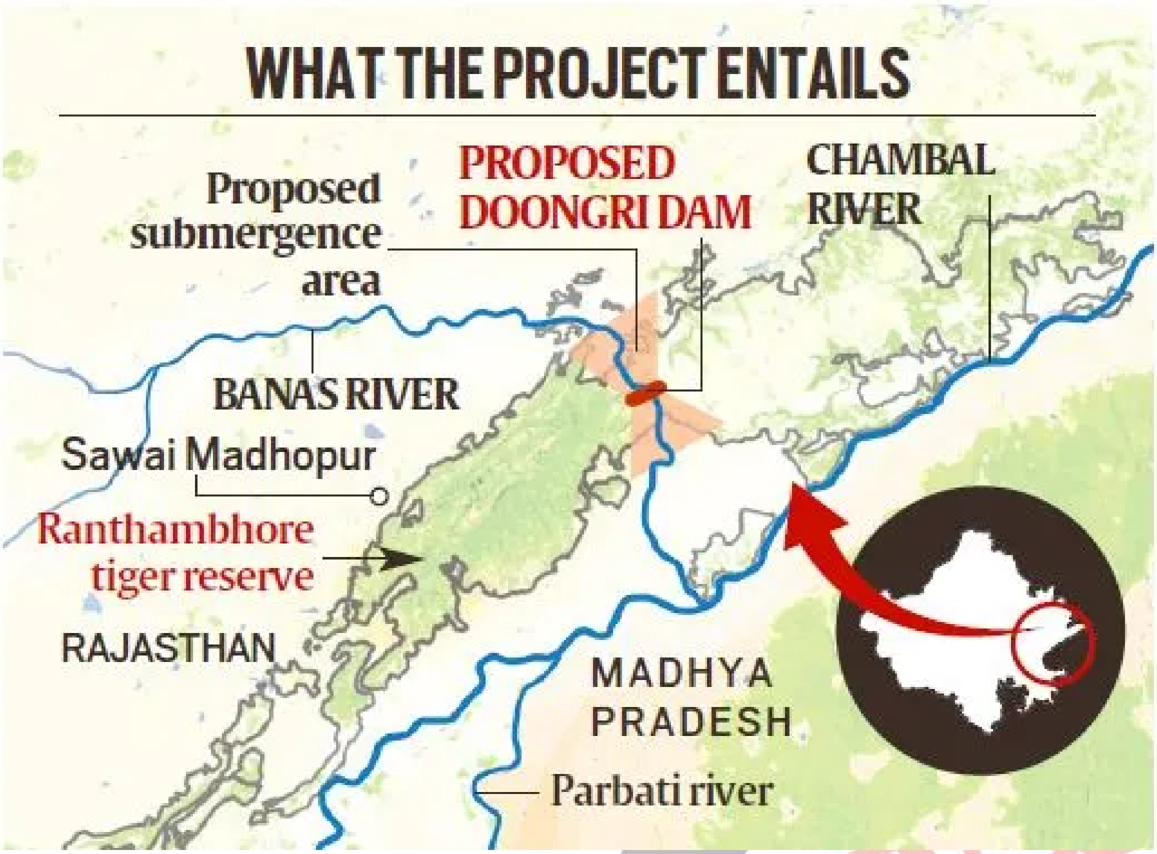

चंबल नदी

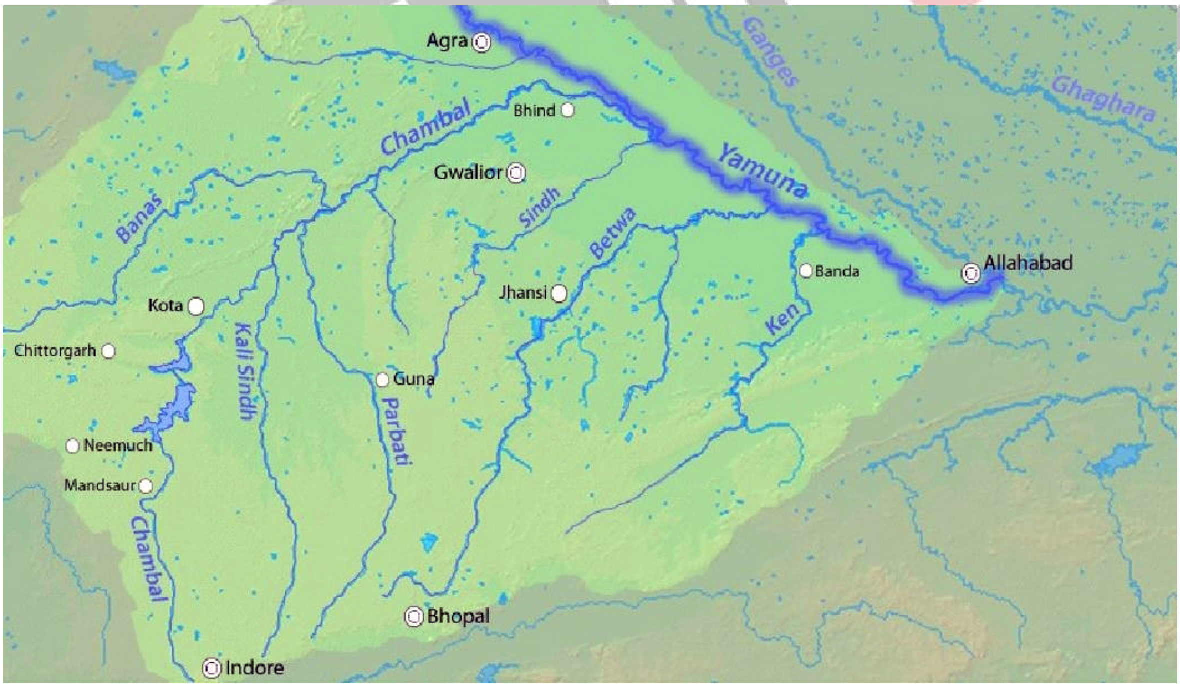

- [चंबल नदी विंध्य पर्वत]() (इंदौर, मध्य प्रदेश) की उत्तरी ढलानों में संगिर चौरी चोटी से निकलती है। वहाँ से यह मध्य प्रदेश में उत्तर दिशा में लगभग **346 किलोमीटर की लंबाई तक बहती है और फिर** राजस्थान से होकर **225 किलोमीटर** की लंबाई तक उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है।
- यह नदी उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और इटावा ज़िले में [यमुना नदी में मिलने से पहले लगभग 32 किमी.]() तक बहती है।
- यह एक बरसाती नदी है और इसका बेसिन **विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं** और [अरावली]() से घिरा हुआ है। चंबल और इसकी सहायक नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को जल से भरती हैं।
- राजस्थान में हाड़ौती **पठार मेवाड़ मैदान** के दक्षिण-पूर्व में चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है।

- **सहायक नदियाँ:** बनास, काली सधि, **[शप्रिा (क्षप्रिा)](#)**, **[पारबती](#)**, आदि।
- **मुख्य वद्युित परयिोजनाएँ/बाँध: [गांधी सागर बाँध](#), राणा प्रताप सागर बाँध,** जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।
- **[राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य](#)** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर चंबल नदी के कनिारे स्थति है।
- यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय **[घड़यािल](#)**, **[रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल](#)** और लुप्तप्राय **[गंगा नदी डॉल्फनि](#)** के लयिे जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthans-river-link-project